

प्रेषक,

ओम प्रकाश

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

पंचायतीराज

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पंचायती राज एवं ग्रामीण अभियन्त्रण अनुभाग

देहरादून दिनांक 05 फरवरी, 2009

विषय:- त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों तथा कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों हेतु स्वीकृत धनराशि की कार्ययोजना के अनुरूप व्यय करने की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या 19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2515 अन्तर्गत निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों के प्रशिक्षण हेतु रुपये 100,00,000-00 (रु० एक करोड़ मात्र) की धनराशि शासनादेश संख्या 107-1/XII/2008/82(12)/2005 दिनांक 15 मई 2008 द्वारा आपके निर्वतन में रखी गयी थी तथा त्रिस्तरीय पंचायतों में महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु धनराशि रु० 100,00,000-00 (रु० एक करोड़ मात्र) की धनराशि शासनादेश संख्या 664-1/XII/2008/82(04)/2007 दिनांक 19 मई 2008 के द्वारा व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखी गयी थी। इस प्रकार त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों तथा कर्मचारियों तथा निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों हेतु उक्त शासनादेश दिनांक 15 मई एवं 19 मई 2008 के द्वारा स्वीकृत कुल धनराशि रुपये 200,00,000-00 (रुपये दो करोड़ मात्र) संलग्न कार्ययोजना के आधार पर निम्न प्रतिबन्धों के अधीन आहरण करते हुये व्यय किये जाने की अनुमति प्रदान की जाती है।

1. उक्त धनराशि उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास संस्थान, रुद्रपुर द्वारा प्रस्तावित की गयी कार्ययोजना(प्रति संलग्न) के अनुसार व्यय की जायेगी तथा धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

2. उक्त धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जायेगा।

3. उक्त आवंटित धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर जारी/ जारी होने वाले मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों को ध्यान में रखकर किया जाय तथा व्यय आवंटित धनराशि की सीमा तक ही रखा जाय।

4. निर्माण कार्य एवं सामग्री कय हेतु धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय नियमों के अन्तर्गत आगणन इत्यादि पर सक्षम अधिकारी से प्रशासनिक/ प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार वित्तीय नियमों के अन्तर्गत ही किया जाय।

5. उक्त आवंटित धनराशि का व्यय दिनांक 31-03-2009 तक निश्चित रूप से कर लिया जाय तथा व्यय विवरण प्रपत्र बी०एम०-13 पर शासन को उपलब्ध करा दिया जाय।

6. इस पर होने वाला व्यय-भार वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या 19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रम-आयोजनागत-101 - पंचायतीराज -09-निर्वाचित प्रतिनिधियों व कर्मचारियों का प्रशिक्षण-42 अन्य में रुपये 01 करोड़ (एक करोड़ मात्र) तथा अनुदान संख्या 19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रम-आयोजनागत-101-पंचायतीराज-13 त्रिस्तरीय पंचायतों में महिला प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण-42-अन्य व्यय में रुपये 01 करोड़ (रुपये एक करोड़ मात्र) के नामे डाला जायेगा।

6. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-285(P)/XXVII(4)/2008 दिनांक 03 फरवरी, 2009 से दी गई सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(ओम प्रकाश)
सचिव।

संख्या 20-1(I)/XII/2009/82(04)/2007 तद् दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा, उत्तराखण्ड।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. अधिशासी निदेशक, उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास संस्थान, रुद्रपुर, उधमसिंह नगर।
5. समस्त जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. समस्त जिला पंचायतराज अधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड देहरादून।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एम०सी०उप्रेती)
अपर सचिव।